वर्ष-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

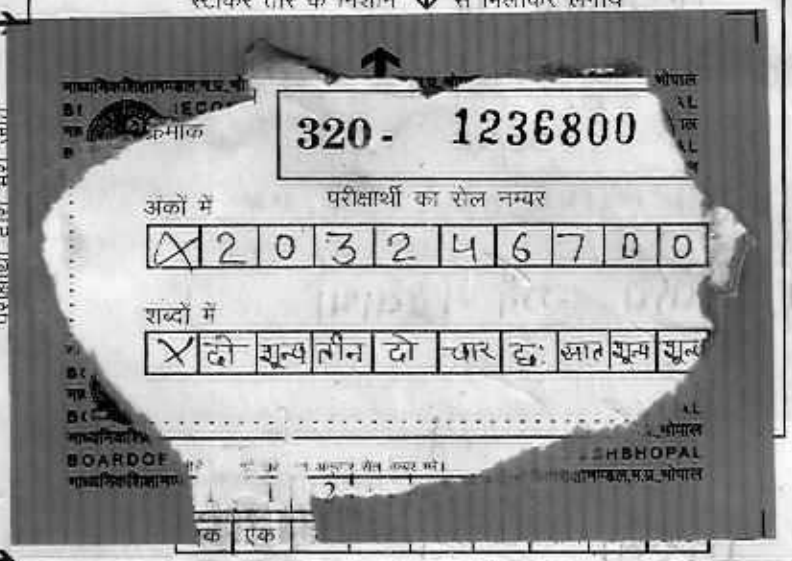

320- 1236800

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: X 2 0 3 2 4 6 7 0 0

शब्दों में: X दो शून्य तीन दो चार छः सात शून्य शून्य

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 03

ग :- परीक्षा का दिनांक 9 6 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक-322354

हा० से० सर्टि० परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
सोहेबा देवी	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, पर

संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

केवल परीक्ष
प्रश्न क्रमांक के सम्मु करें। प्रश्न क्रमांक
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25

प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी

100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तां

एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शि

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक

उत्तर :→

(अ) (ii) फिजे एवं द्विवार्षा ।

(ब) (i) पहला ।

(स) (i) दिल्ली ।

(द) (ii) राइन ।

(ii) आर्यभट्ट ।

प्र० क्रमांक (2)

उत्तर :→ रिक्त स्थानो की पूर्ति :→

(i) देहरादून ।

(ii) केरल ।

(iii) राष्ट्रीय राजमार्ग ।

(iv) उर्वरता ।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

(ए) दूसरा

प्र० क्रमांक (3)

उत्तर ! →

सही जोड़ी ! →

	'क'		'ख'
(अ)	पर्यटन नगर	–	नैनीताल
(ब)	जूट	–	प० बंगाल
(स)	काली मिट्टी	–	कपास
(द)	ज्वारीय बंदरगाह	–	कांडला
	मेगालोपोलिस	–	लंदन

प्र० क्रमांक (4)

उत्तर → एक वाक्य में उत्तर !-

(i) उद्यान कृषि ।

पहाड़ी भागो में ।

) सोयाबीन ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

iv) 16 (सोलह) |

) अनचाहे शोर |

प्र० क्रमांक ० (5)

(अथवा)

उत्तर :→

मानव भूगोल के विषय क्षेत्र निम्नलिखित है :→

(1) प्राकृतिक वातावरण के तत्व :→

इसके अन्तर्गत दो तत्वो का समावेश होता है :→

(i) जड़ तत्व
(ii) चेतन तत्व |

(2) सांस्कृतिक वातावरण के तत्व :→

इसको तीन पक्षो मे विभक्त किया गया है :→

) विन्यास
) चल
i) क्रिया |

B
S
E

प्र० क्रमांक (6)

उत्तर :→

भिलाई एवं जमशेदपुर औद्योगिक नगर के उदाहरण है।

प्र० क्रमांक (7)

उत्तर :→

पर्यावरण प्रदूषण :→

जब किसी वस्तु, पदार्थ, तत्व अथवा पर्यावरणीय मूल तत्वों में विकृतीय मिलावट आ जाए तो उस विकृतीय मिलावट को पर्यावरण प्रदूषण कहा जाता है। जैसे :→ जल में हानिकारक गैसे की मिलावट, जल अनेक प्रकार के गन्दगी व विषैले पदार्थो की मिलावट आदि।

प्र० क्रमांक (8)

(अथवा)

उत्तर :→

भारतीय कृषि की तीन समस्याएँ निम्नलिखित है :→

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(i) कृषि की वर्षा पर निर्भरता :→

हमारे यहाँ कृषि अभी भी मुख्यतः वर्षा पर आधारित है। भारत में वर्षा मानसून द्वारा होती है, जो सदैव ही अनियमित और अनिश्चित रहता है। मानसूनी वर्षा की इसी प्रकृति के कारण कभी तो फसलें अनावृष्टि के कारण सूख जाती है। और कभी अतिवृष्टि के कारण गल जाने से नष्ट हो जाती हैं।

(ii) जोतों का छोटा आकार :→

हमारे यहाँ जोतों का औसत बहुत छोटा है। यह जोतों का औसत आकार दो हेक्टेयर से भी कम पाया जाता है।

(iii) उन्नत किस्म के बीजों तथा उर्वरकों की कमी :→

यहाँ अभी उन्नत बीजों की कमी है। साथ ही ये महंगे भी होते हैं जिससे गरीब किसान इसके प्रयोग से वंचित रह जाते है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न० क्रमांक० (9)

(अथवा)

उत्तर :→

रेल परिवहन का महत्व निम्नांकित है :→

(i) भारी सामाने ढुलाई की सुविधा :→ रेल यातायात द्वारा भारी सामान को आसानी से ढोया जा सकता है। जबकि सड़को द्वारा यह सम्भव नही होता है।

(ii) मूल्यो में स्थिरता बनाये रखने मे सहायक :→ रेलो द्वारा शीघ्रता से बड़ी मात्रा मे वस्तुओ को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सकता है। इससे देश मे वस्तुओ के मूल्यो मे स्थिरता कायम रहती है।

(iii) निर्यात व्यापार को प्रोत्साहन :→ ेश से निर्यात होनी वाली वस्तुओ को रगाह तक पहुचाने रेलो का अन्य ाधनो की अपेक्षा अधिक योगदान हता है।

प्रश्न क्र.

प्र. क्रमांक (10)

(अथवा)

उत्तर :→

संचार वह माध्यम या युक्ति है, जिसके माध्यम से सन्देश, सूचनाएँ, जानकारिया, एक स्थान से दूसरे स्थानो को प्रेषित की जाती है।

संचार के साधन निम्नलिखित है :→

(1) डाक :→

संचार के साधनो में डाक द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान को सन्देश भेजने का ढंग पुराना है। आज भी यह सन्देश भेजने का महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है।

राजकीय, व्यापारिक, व्यक्तिगत सन्देशों को पत्रों व पार्सलो द्वारा देश में ही नही विश्व के कोने - कोने तक भेजा जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

(२) तार :→

तार द्वारा सन्देश तीव्र गति से पहुचाया जाता है। इस विधि का विकास 19 वी शताब्दी में हो गया था। इस यन्त्र में सन्देश को सांकेतिक भाषा द्वारा विद्युत चुम्बकीय तरंगो के रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुचाया जाता है। यह विधि विश्व के सभी देशो में प्रचलित है।

सभी देश तार भेजने के लिए मोर्स कोड नामक सांकेतिक भाषा का प्रयोग करते है।

(3) फैक्स :→

यह सचार का नवीनतम साधन है। इसमे टेलीफोन के साथ एक विशेष मशीन लगी होती है। जिसमे पत्रो, चित्रों अथवा किसी भी प्रकार के लिखित सन्देशो को उसी रूप में पहुचाया जा सकता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (11)

उत्तर :→
एशिया में जनसंख्या वृद्धि के कारण निम्नलिखित है :→

विगत 50 वर्षो में एशिया में जनसंख्या वृद्धि कारण निम्न है :→

(1) मृत्यु दर मे भारी कमी :→
स्वास्थ्य सेवाओ में वृद्धि, चिकित्सा का उचित प्रबन्ध रोग प्रतिरोधक टीको आदि से मृत्यु दर मे कमी होने से जनसंख्या मे वृद्धि हुई है।

(2) कृषि का विकास :→
एशिया महाद्वीप में कृषि वैज्ञानिक ढंग से होने से खाद्यान्न एवं अन्य कृषि उपजो मे वृद्धि होने से जनसंख्या का भरण पोषण हुआ है।
अतः इस कारण जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

BSE

(3) औद्योगिक विकास :-

एशिया महाद्वीप में लघु एवं कुटीर उद्योग में वृद्धि होने के साथ साथ बड़े पैमाने के उद्योगो मे वृद्धि हुयी लोगो को रोजगार में भी वृद्धि हुई है, इस कारण भी जनसंख्या बढ़ी है।

(4) परिवहन के साधनो का विकास :- परिवहन के साधनो का विकास होने से दूर दराज के क्षेत्रो में खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुएं सुलभ हो जाती है। आकाल से होने वाली मौत का रोका जा सका है इस कारण जनसंख्या मे वृद्धि हुई।

उपर्युक्त कारणो से यह स्पष्ट होता है की जनसंख्या बढ़ने मे जो संसाधन सहायक होते है वो एशिया महाद्वीप मे विस्तृत रूप से पाये जाते है अत: जनसंख्या बढोत्तरी हुई है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BOARD OF SEC

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्र० क्रमांक (12)

उत्तर :→

गेहूँ की पैदावार तथा उसकी उपज के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएं निम्नांकित है :→

(1) तापमान :→ गेहूँ मूलत: शीतोष्ण कटिबंधीय जलवायु का पौधा है। यह यह साधारणत: ठंडी जलवायु में होता है। इसको उगते समय औसतन 10° सेन्टीग्रेड तथा पकते समय 20° सेन्टीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है।

(2) वर्षा :→ गेहूँ के पौधो को अधिक नमी की आवश्यकता नहीं होती इसके लिए साधारणत: वर्षा 50 से 75 सेन्टीमीटर वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
श्न क्र.

B
S
E

(3) मिट्टी :→

गेहूँ के उपज के लिए बहुत हि अच्छा व उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है। इसके लिए बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम मानी गयी है।

(4) समतल भूमि :→

इसके खेती के लिए समतल या क्रमिक उतार - चढ़ाव वाले मैदानी भाग अधिक अनुकूल होते है। क्योंकि इसके खेती मे मशीनो का व्यापक प्रयोग होने लगा है।

(5) सस्ते श्रमिक :→

यद्यपि वर्तमान वर्तमान समय मे इसके खेती में मशीनो के प्रयोग के कारण श्रमिको की कम आवश्यकता होती है।

भी भारत जैसे जैसे- देशो में खेत बहुत छोटे होते है सस्ते को की आवश्यकता बनी हुयी है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (23)

उत्तर :→ वायु मार्ग को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है :→

(i) जलवायु :→ विषम जलवायु वाले क्षेत्रो मे वायुयानो को नीचे धरातल मे उतारने मे कठिनाई होती है।

B S E

(ii) धरातल :→

दलदली भूमी तथा पहारी भागो में वायुयान के लिए कोई विशेष आक्षप न मिलने कारण वहा वायुयान का निर्माण तथा विकास कम होता है

(iii) पहाड़ी एवं पर्वतीय भाग :→

पहाडी भागो में बडे - बडे चट्टान तथा वहा की मौजूद ऊची चोटियो से वायुयान के टकराव की सम्भावना होती है। अतः इस तत्व का भी वायु मार्गो पर पड़ता है।

प्रश्न क्र.

(iv) आर्थिक तथा राजनीतिक तत्व :->

प्रत्येक देश के ऊपर का वायुमण्डल इसके राजनीति अधिकार मे होता है। अतः वायुयानो को दूसरे राज्यो मे जाने के लिए अनुमति लेना है। तथा इसके विकास में आर्थिक तत्वो का प्रभाव भी पड़ता है

प्र० क्रमांक (14)

:->

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है :->

(1) धरातल :->

धरातल का जनसंख्या के वितरण पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। यह बात इसी से सिद्ध हो जाती है की सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या का 8/10 भाग उन्ही भागो में रहता है जो साधारण : समुद्र तल से 600 मीटर से भी कम ऊचे है।

प्रश्न क्र.

(2) जलवायु :- जलवायु का जनसंख्या के वितरण पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सामान्यत: मानव उन्ही स्थानो पर रहना पसन्द करता है। जहा की जलवायु उसके स्वास्थ्य तथा उद्देश्य के लिए अनुकूल होती है।

(3) जलापूर्ति :-

जल प्राणी मात्र के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। वनस्पति का जीवन भी जल पर ही निर्भर करती है। अत: सभ्यता मानव का विकास उन्ही क्षेत्रो की तरफ देखी जाती है। जहा उसके पीने के लिए पानी तथा कृषि आदि सभी प्रकार के व्यवसायो के लिए पर्याप्त मात्रा में जल की सुविधा हो।

(4) सरकार की नीतियाँ :-

कई देशो मे सरकार की आवास और प्रवास की नीति भी जनसंख्या पर प्रभाव डालती है।

BSE

प्रश्न क्र.

B
S
E

(5) खनिज पदार्थ :-

किसी स्थान पर पाये जाने वाले खनिजो अथवा शक्ति के संसाधनो के कारण भी ~~कह~~ वहा जनसंख्या पर प्रभाव पड़ता है।

जिन स्थानो पर (लोहा और कोयला) खनिज प्राप्त होते है। वहा क्रमशः जनसंख्या मे वृद्धि हो जाती है।

(6) औद्योगिकरण :-

कई स्थानो पर पाये जाने वाले कच्चे पदार्थो की उपलब्धी के कारण उद्योग धन्धो की उन्नति हो जाती है। चूकि उद्योग धन्धो के लिए अधिक भूमि की आवश्यक नही है। इस प्रकार कम भूमि पर ही उद्योग धन्धो के कारण अधिक लोगो का जीवन निर्वाह होता है। अतः औद्योगिकरण भी जनसंख्या पर प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (15)

उत्तर :-

वन देश के एक महत्वपूर्ण संसाधन है तथा इनसे अनेक प्रकार के लाभ प्राप्त होते है अतः

वनो के संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय किया जाना चाहिए :-

(1) वृक्षारोपण :-

वनो का विस्तार ही वनो का सर्वोत्तम संरक्षण है। भारतीय राष्ट्रीय वन नीति मे उल्लेखित 33% वन भूमि के लिए ठोस प्रयास किया जाना है। वन विहीन पहाड़ी पठारो एवं अन्य खाली क्षेत्रो मे वृक्षो का रोपण किया जाना चाहिए।

(2) वनो की कटाई पर रोक :-

वनो की कटाई पर कठोरता से रोक लगायी जानी चाहिए। प्राकृतिक वनो को काटे जाने पर उनके स्थान पर शीघ्र पनपने वाले वृक्षो को लगाना चाहिए

आदिवासी क्षेत्रो में वनो को काटकर खेती करने की प्रथा पर पूर्णरूप से रोक लगायी जानी है।

(3) वनो को आग से बचाना :-

वनो में आग लगने की समस्या सामान्य हो गयी है। अतः वनो मे अग्नि शमन के लिए आवश्यक उपकरण तथा प्रशिक्षित कर्मचारियो को तैयार किया जाना चाहिए।

(4) परिवहन के मार्गों का विकास :-

वनो को सुरक्षित रखने के लिए जंगली क्षेत्रों में सड़को का विकास तथा संचार के साधनो का विकास करना नितान्त आवश्यक है। इससे वनों को सुरक्षित रखने में शासन को आसानी होगी।

(5) वानिकी विकास :-

वनो को संरक्षण प्रदान करने के लिए परम्परागत वानिकी के अतिरिक्त कृषि वानिकी, विस्तार वानिकी रक्षापंक्ति वानिकी के साथ - साथ - सामाजिक वानिकी विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (16)

उत्तर :- जीविकोपार्जन कृषि एवं व्यावसायिक कृषि में प्रमुख अन्तर निम्नलिखित है।

क्र	जीविकोपार्जन कृषि	व्यावसायिक कृषि
1.	जीविकोपार्जन कृषि में खेत प्रायः छोटे आकार के होते है।	व्यासायिक कृषि में खेत आकार बड़ा होता है।
2.	जीविकोपार्जन कृषि में कृषक फसल का उत्पादन जीविकोपार्जन के लिए करता है।	व्यासायिक कृषि में कृषक फसल का उत्पादन व्यापार के लिए करता है।
3.	इस कृषि में परम्परागत औजारो का प्रयोग किया जाता है। तथा मानव श्रम को अधिक महत्व दिया जाता है।	इस कृषि में उन्नत औजारो का प्रयोग किया जाता एवं उन्नत विधियो से खेती कृषि की जाती है।

4.	जीविकोपार्जन कृषि पिछड़े देशों से सम्बन्धित है।	व्यावसायिक कृषि उन्नत देशों से विशेष सम्बन्धित है।
5	जीविकोपार्जन कृषि छोटे पैमाने पर की जाती है।	व्यावसायिक कृषि बड़े पैमाने पर की जाती है।

प्रश्न • क्रमांक • (18)

उत्तर :-

मुम्बई में सूती वस्त्र के उद्योग के विकसित होने निम्नलिखित कारक है।

(1) कच्चा माल :- इस औद्योगिक प्रदेश के पृष्ठ भाग में बड़ी मात्रा में कपास पैदा होता है, जिससे सूती वस्त्र उद्योग हेतु कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।

(2) जलवायु :→ यहा की जलवायु सूती वस्त्र के लिए अनुकूल है।

(3) विद्युत शक्ति :→ इस औद्योगिक प्रदेश को सस्ता जल विद्युत परियोजना से जल विद्युत शक्ति प्राप्त हो जाती है।

(4) पूंजी :→ मुम्बई मे बडे - बडे पूंजीपति है जो यहा के उद्योगो मे पूंजी लगाकर के उसके विकास मे सहायक हुए।

(5) श्रम की सुविधा :→ यह क्षमिक पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध है। अतिरिक्त विदेशो से दक्ष बुलाने की भी सुविधा है।

(6) बाजार :→ यह औद्योगिक प्रदेश रेलमार्ग तथा सडक मार्ग के द्वारा उत्तर एवं दक्षिण भारत से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

प्र० क्रमांक (17)

(अथवा)

Roll No. 203246700

World Map

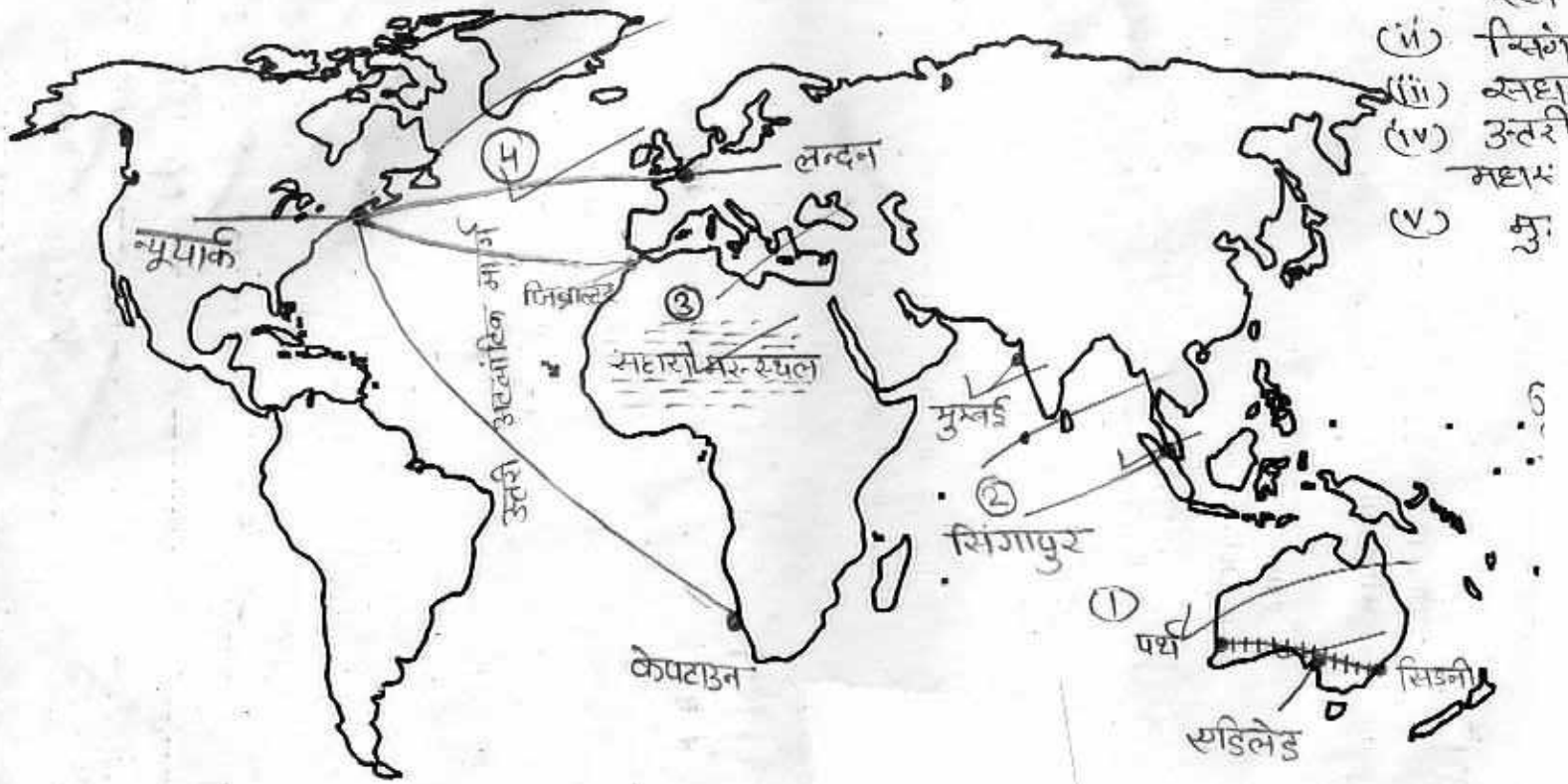

बिन्दुरेखा –

(i) ट्रांस कांटिनेंटल रेल मार्ग
(ii) सिंगापुर
(iii) सहारा मरुस्थल
(iv) उत्तरी अटलांटिक महा...
(v) ...

यह अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र । हवाई अड्डा जिसके कारण देश एव विदेश मे व्यापार की सुविधा रहती है ।

इस औद्योगिक प्रदेश से निर्मित माल की उत्तर भारत मे बहुत माँग है । तथा मुम्बई बन्दरगाह के द्वारा विदेशो को कई प्रकार की वस्तुए निर्यात की जाती है ।